

उन्होंने एक अतिथि को मित्र के यहाँ रख दिया
 3. किसी वस्तु आदि को अपने पास हिफाजत से रखना या बचाना जैसे- मैं तुम्हारे बच्चे को रख लूँगा 4. अपने कार्य की जिम्मेदारी किसी अन्य को देना जैसे- तुम मेरा यह काम करके रखना 5. संग्रह करना 6. अधिकार में लेना 7. किसी मनोवेग (धबड़ाहट, चिंता, क्रोध आदि) को नियंत्रित करना जैसे- धैर्य रखो, घबराओ मत 8. लाक्ष. किसी वस्तु को किसी उद्देश्य से किसी के पास गिरवी आदि के रूप में रखना 9. अन्य समय के लिए किसी कार्य को स्थगित करना जैसे- इस कार्य को अभी पूरा कर लें, कल के लिए मत रखना 10. प्रस्तुत करना जैसे- तुम अपने विचारों को उनके समक्ष मत रखना 11. किसी सही बात को स्वीकार करना जैसे- तुमने मेरी बात रख ली है 12. प्रतिष्ठा की रक्षा करना जैसे- उसने मेरी लाज रख ली है 13. स्त्री या पुरुष से संबंध बनाना जैसे- उसने अपनी सहेली को अपने पास रख लिया 14. धारण करना जैसे- उसने तुम्हारी बात हृदय में रख ली है 15. अ.क्रि. 1. बार-बार एक ही बात दोहराना, रटना, रट लगाना 2. शब्द करना, बोलना 3. रिरियाना, गिड़गिड़ाना।

रखनी स्त्री. (तद्.) बिना विवाह किये सामान्य रूप से पत्नी के रूप में रखी गई स्त्री, रखैल, उपपत्नी।

रखवाला पुं. (तत्.) 1. किसी वस्तु, व्यक्ति, संस्था आदि की रक्षा करने वाला, पहरेदार 2. अनाथ की रक्षा करने वाला 3. रक्षक।

रखवाली स्त्री. (तत्.) 1. किसी वस्तु आदि की रक्षा करने की क्रिया या भाव, हिफाजत, देखरेख 2. सुरक्षा 3. पहरेदारी।

रग स्त्री. (तत्.) 1. शरीर की नस, नाड़ी 2. पत्तों पर दिखाई देने वाली नसें 3. जिद, हठ मुहा. रंग दबना- दबाव मानना, पूरी तरह किसी के प्रभाव या अधिकार में होना; रग पहचानना- किसी के स्वभाव, कार्य आदि के बारे में पूरी तरह जानना या किसी के सदस्य को पूर्ण रूप

से जानना; रग-रग पहचानना- किसी के बारे में पूरी जानकारी होना; रग-रग में- नस-नस में, शरीर के सभी अंगों में; रगों में खून दौड़ना- शरीर में जोश तथा उत्साह होना, रगों में कुल/वंश का प्रभाव होना।

रगड़ना स.क्रि. (देश.) 1. किसी वस्तु की सतह पर दूसरी वस्तु को बार-बार दबा कर चलाना, घिसना, घर्षण 2. दो तलों के बीच रखी वस्तु को चूर-चूर करना, पीसना 3. किसी कार्य को बहुत शीघ्रता से और बहुत बार परिश्रम से करना 4. परेशान या तंग करना 5. स्त्री के साथ क्रूरतापूर्वक संभोग करना 6. नष्ट करना 7. कठोर दंडया आज्ञा देना अ.क्रि. 1. बहुत परिश्रम करना या करवाना 2. बहुत परेशान होना।

रगड़ा पुं. (देश.) 1. रगड़ने की क्रिया या भाव, घर्षण, रगड़ 2. किसी वस्तु को रगड़ने के उद्देश्य से किया गया आघात 3. किसी वस्तु की रगड़ से लगने वाली चोट 4. लगातार किया जाने वाला बहुत परिश्रम 5. बहुत समय तक चलता रहने वाला विरोध और वैर, पुरानी शत्रुता या झगड़ा 6. विवाद, तकरार, हुज्जत।

रगड़ी वि. (देश.) 1. विवाद, झगड़ा करने वाला, झगड़ालू 2. तकरार या हुज्जत करने वाला, हुज्जती, उलझने वाला।

रगेदना स.क्रि. (देश.) 1. बलपूर्वक दूर हटाते हुए दौड़ाना, खदेड़ना, भगाना 2. क्रूरतापूर्वक संभोग करना।

रघु वि. (तत्.) अयोध्या के एक प्रतापी राजा जो दशरथ, राम इत्यादि के पूर्वज थे।

रघुकुल वि. (तत्.) अयोध्या के प्रतापी राजा रघु का वंश।

रघुनंदन वि. (तत्.) 1. रघु का पुत्र, दिलीप 2. राजा रघु का पुत्र या वंशज 3. श्री रामचंद्र, राम।

रघुनाथ पुं. (तत्.) 1. रघुवंश का श्रेष्ठ पुरुष 2. रामचंद्र, राम, रघुनायक, रघुपति।

रघुनायक पुं. (तत्.) श्री रामचंद्र राम दे. रघुनाथ।

रघुपति पुं. (तत्.) श्री रामचंद्र।